मासिक

आजाद बोल

Title Code: RNI No. - MPHIN/2020/79860

वर्ष : 5 अंक : 8 इन्दौर, 15 जुलाई 2025 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपए

बिहार बना 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया'

कुर्सी बचा रह मुख्यमंत्री, राहुल का नीतीश सरकार पर निशाना

बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। वहीं, विपक्ष बिहार में कानून व्यवस्था और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर एनडीए सरकार पर लगातार हमला बोल रहा है। इन सबके बीच कानून व्यवस्था को लेकर राहुल गांधी ने भी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि बिहार बना 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया' - हर गली में डर, हर घर में बेचैनी! बेरोज़गार युवाओं को हत्यारा बना रहा है गुंडा राज।

नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए राहुल ने आगे लिखा कि मुख्यमंत्री कुर्सी बचा रहे हैं, मुख्यमंत्री मंत्री कमीशन कमा रहे हैं। मैं फिर दोहरा रहा हूं - इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है। व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर एक के बाद एक अंजाम दी जा रहीं हत्या की घटनाओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस ने इन घटनाओं के लिए अवैध हथियारों और गोला बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहराया है।

पिछले 10 दिन में, व्यवसायी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, 60 वर्षीय एक महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई लोगों की हत्याओं ने चुनाव से पहले बिहार को दहला दिया है। राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, राज्य में जनवरी से जून के बीच हर महीने औसतन 229 हत्याओं के साथ 1,376 हत्या के मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में यह संख्या 2,786 और 2023 में 2,863 थी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अवैध रूप से निर्मित या बिना वैध लाइसेंस के खरीदे गए आग्नेयास्त्रों के प्रसार और कारतूसों व गोला-बारूद की अनियंत्रित उपलब्धता ने हाल में हिंसक अपराधों में तेज़ी ला दी है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, बिहार लगातार हिंसक अपराधों, जिनमें आग्नेयास्त्रों से जुड़े अपराध भी शामिल हैं, के मामले में शीर्ष पांच राज्यों में शामिल रहा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य 2017, 2018, 2020 और 2022 में हिंसक अपराध दर में दूसरे स्थान पर रहा है। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने कहा, ज़्यादातर हत्याओं के पीछे जमीन विवाद और संपत्ति के मामले मुख्य कारण हैं। ऐसे मामलों में पुलिस की भूमिका सीमित होती है और यह अपराध होने के बाद शुरू होती है। अपराध का पता लगाने में हमारे बल ने 100 प्रतिशत की दर हासिल कर ली है।

हिमाचल सरकार बारिश से प्रभावित क्षेत्रों को दो-दो करोड़ रुपये देगी

हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बारिश के कारण गंभीर रूप से प्रभावित विधानसभा क्षेत्रों के लिए दो-दो करोड़ रुपये और सभी विधानसभा क्षेत्रों में सड़कों व अन्य बुनियादी ढांचों की मरम्मत के लिए 50 लाख रुपये देने की घोषणा की है।

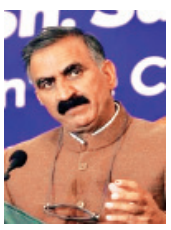

सिंह ने यह घोषणा एक वीडियो के माध्यम से की, जिसे शनिवार को उनके 'फेसबुक' पेज पर भी साझा किया गया। हिमाचल प्रदेश में कुल 68 विधानसभा क्षेत्र हैं जिनमें मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित रहा है।

मंडी में बारिश के कारण आई आपदाओं ने बुनियादी ढांचे और मानव जीवन दोनों को भारी नुकसान पहुंचाया है। राज्य में 20 जून को मानसून की शुरुआत से लेकर 11 जुलाई के बीच में अब तक 751 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

मानसून सत्र में कांग्रेस की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए सोनिया गांधी ने बुलाई 15 जुलाई को बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी संसद के मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप देने के वास्ते मंगलवार को एक अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगी।

संसद के मॉनसून सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद है क्योंकि कांग्रेस पार्टी सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की योजना बना रही है। विपक्षी दल बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी निर्वाचन आयोग के कदम पर कड़ी आपत्ति जता सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कूटनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की मांग भी करती रही है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

समेत अन्य नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी अपने 10 जनपथ स्थित आवास पर करेंगी।

सरकार ने घोषणा की है कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक जारी रहेगा, जो पहले से तय समय से एक सप्ताह ज़्यादा है। इससे बड़ी विधायी कार्यसूची का संकेत मिलता है।

पहले यह सत्र 12 अगस्त को समाप्त होना था लेकिन अब इसे एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है। लंबी अवधि वाला सत्र ऐसे समय में हो रहा है जब सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के प्रवेश को सुगम बनाने सहित कई प्रमुख विधेयक लाने की योजना बना रही है।

सरकार, 'परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम' और 'परमाणु ऊर्जा अधिनियम' में संशोधन करने की योजना बना रही है ताकि परमाणु क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने संबंधी केंद्रीय बजट की घोषणा पर अमल किया जा सके। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग कर रहा है। विपक्षी दल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर भी सरकार से जवाब मांग रहे हैं जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को समाप्त कराने में मध्यस्थता का दावा किया है। हालांकि सरकार ने ट्रंप के दावों को खारिज किया है।

एसओ2 उत्सर्जन नियमों में छूट देने का सरकार का फैसला गलत आधारों पर आधारित है : जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार की ओर से लगभग 78 प्रतिशत कोयला आधारित संयंत्रों को प्रमुख प्रदूषण रोधी प्रणालियां लगाने से छूट दिए जाने पर कहा कि पर्यावरण मंत्रालय की इस नीति के पीछे की दलील गलत आधार पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) में संशोधन के अभाव में सरकार की नीति बनाने की प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण' रहेगी। केंद्र सरकार ने एक बार फिर कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों के लिए सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन मानदंडों का अनुपालन करने की समय सीमा बढ़ा दी है और अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्रों या दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों से दूर स्थित संयंत्रों को इससे पूरी तरह छूट दे दी है। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कटाक्ष करते हुए कहा, मोदी सरकार ने पहले ही भारत को सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन में वैश्विक नेता बनाने का गौरव हासिल कर लिया है। अब हमें पता चला है कि पर्यावरण मंत्रालय ने भारत के 78-89% ताप विद्युत संयंत्रों को सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कटौती करने वाले फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) सिस्टम लगाने से छूट दे दी है।

समाज को ऐसे लोगों की जरूरत, जो सरकार के खिलाफ याचिकाएं दायर करें-नितिन गडकरी

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोक प्रशासन में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार के खिलाफ अदालती मामले दायर करने की आवश्यकता पर बल दिया है। नागपुर में स्वर्गीय प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए जो सरकार के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार के मंत्री भी वह काम नहीं कर सकते जो अदालती आदेश से हो सकता है। लोकप्रिय राजनीति राजनेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है।

गडकरी ने बताया कि इस कार्यक्रम में 'कुशल संगठक' के रूप में सम्मानित किए गए लोगों ने सरकार के खिलाफ ऐसी कई कानूनी लड़ाइयाँ लड़ीं। देश में सड़क नेटवर्क में क्रांति लाने के लिए जाने जाने वाले भाजपा नेता ने कहा कि 'कुशल संगठकों' ने शिक्षा क्षेत्र में 'गलत' सरकारी फैसलों के खिलाफ कई अदालती मामले दायर किए और कई मौकों पर सरकार को अपने फैसले वापस लेने के लिए मजबूर भी किया।

इससे पहले गडकरी ने रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुशता के कारण समन्वय, आपसी सद्भाव और प्रेम खत्म हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। भारत को दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाली बुद्ध की भूमि बताते हुए गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि ये संघर्ष ऐसी स्थिति पैदा कर रहे हैं जहां विश्व युद्ध 'कभी भी' छिड़ सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि युद्ध से संबंधित तकनीकी प्रगति भी मानवता की रक्षा करना कठिन बना रही है।

जिला स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में ज़ैद अली कुरैशी को मिला सिल्वर मेडल

जैद अली कुरेशी, विनर शूटिंग स्पोर्ट्स सोसायटी के है निशानेबाज

इंदौर। इंदौर डिस्ट्रिक्ट राइफल एसोसिएशन द्वारा पहली बार आयोजित जिला स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता का भव्य समापन शनिवार को डेली कॉलेज परिसर में हुआ। यह प्रतियोगिता 1 जुलाई से 5 जुलाई तक आयोजित की गई थी, जिसमें इंदौर जिले के विभिन्न इंटर स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और करीब 550 विद्यार्थियों ने अपनी निशानेबाजी की प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन समारोह में इंदौर के सांसद शंकर लालवानी और विधानसभा क्षेत्र क्रमांक दो के विधायक रमेश मेंदोला ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस प्रतियोगिता में विनर शूटिंग स्पोर्ट्स सोसायटी के 17 वर्षीय ज़ैद अली कुरैशी ने सिल्वर मेडल हासिल किया। प्रतियोगिता में ज़ैद अली कुरैशी ने मात्र कुछ ही दिनों की ट्रेनिंग से अपनी सूझबूझ, एकाग्रता और कठिन परिश्रम से सिल्वर मेडल अपने नाम किया। 17 वर्षीय ज़ैद अली कुरैशी इससे पहले इंदौर की रेवती रेंज में आयोजित प्री-स्टेट प्रतियोगिता में भी 400 में से 318 अंक प्राप्त कर स्टेट लेवल के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। अब वे जबलपुर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दिख सकते हैं।

विनर शूटिंग अकादमी के कोच कलामुद्दीन ने बताया कि एयर पिस्टल शूटिंग एक ऐसा खेल है जिसमें मानसिक एकाग्रता, धैर्य और फोकस की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कोचों और विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित मेडिटेशन और ध्यान इस खेल में सफलता प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रतियोगिता के आयोजकों ने बताया कि आने वाले वर्षों में इंदौर में इस खेल को बढ़ावा देने के लिए और भी टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे।

इंदौर में राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष महा-अभियान प्रभावशाली

इंदौर। जिले में कलेक्टर आशीष सिंह की पहल पर चल रहा राजस्व

प्रकरणों का विशेष महाअभियान तेजी से परिणाम दे रहा है। 15 जून से प्रारंभ इस अभियान के अंतर्गत अब तक 8 हजार 76 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है, जिससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। इस अभियान का लक्ष्य 31 मई, 2025 तक जिले के सभी 17,379 लंबित राजस्व मामलों का पूर्ण समाधान करना है।

अभी तक कुल 13,397 प्रकरणों का निराकरण हो चुका है, जबकि शेष 3,982 प्रकरणों के लिए समयसीमा 25 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस अवधि तक शत-प्रतिशत प्रकरणों का निपटारा सुनिश्चित करें।

बैठक में महू, देपालपुर व हातोद एसडीएम को अभिलेख दुरुस्ती में लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। अब तक नामांतरण, सीमांकन, रास्ता विवाद, कब्जा विवाद, बंटवारा

25 जुलाई तक बढ़ी समयसीमा, अब तक 8 हजार से अधिक प्रकरणों का हुआ समाधान

जैसे मामलों में व्यापक प्रगति हुई है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि यदि कोई आवेदक 25 जुलाई के बाद भी अपने प्रकरण के निराकरण की सूचना देगा, तो उसे 5,000 की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी और लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन : खुदाई शुरू, एयरपोर्ट से जुड़ेगा

इन्दौर। शहर में मेट्रो के लिए अंडरग्राउंड पटरी बिछाने एवं स्टेशन निर्माण का काम शुरू हो गया है। शुरुआत एयरपोर्ट पर अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन के निर्माण से हो रही है। यहां बड़ी मशीनें आ चुकी हैं और खुदाई भी होने लगी है। एयरपोर्ट के बाहर वाले हिस्से में बिजासन टेकरी तक स्टेशन बनेगा। यह इंदौर का पहला अंडरग्राउंड स्टेशन होगा, जो भूमिगत और एलीवेटेड ट्रेक से जुड़ेगा। एयरपोर्ट से धीरे-धीरे मेट्रो ट्रेक उपर की तरफ उठेगा। इसके लिए अलग-अलग ऊंचाई में मेट्रो के पिलरों का निर्माण एयरपोर्ट रोड तक कर लिया गया है। दोनों स्टेशन एस्केलेटर से कनेक्ट होंगे, ताकि यात्रियों को लगेज लेकर ज्यादा चलना न पड़े। यह स्टेशन दूसरे अंडरग्राउंड स्टेशनों की तुलना में बड़ा होगा, क्योंकि एयरपोर्ट होने के कारण यात्रियों का दबाव यहां ज्यादा रहेगा।

अनाबिया सैय्यद बनी ओवरआल टॉपर

नौशाद फाउंडेशन स्कॉलरशिप के रिजल्ट जारी

इंदौर : (नगर प्रतिनिधि)। नौशाद फाउंडेशन की स्कॉलरशिप जीतो प्रतियोगिता के रिजल्ट जारी हो गए हैं, चुने गए 10 छात्रों को फाउंडेशन की तरफ से स्कॉलरशिप दी जाएगी।

पिछले दिनों नौशाद फाउंडेशन ने कक्षा पांचवी और आठवीं में 80३ नंबर लाने वाले छात्रों की एक प्रतियोगिता परीक्षा ली थी इसके साथ ही कक्षा दसवीं में 75% से ज्यादा नंबर लाने वाले छात्रों की भी परीक्षा ली थी, इस परीक्षा में इंदौर, देपालपुर, महूं के करीब 450छात्रों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था, दो पालियों में हुई इस परीक्षा के जरिए तीन-तीन छात्रों को मेरिट लिस्ट में चुना गया है, इन छात्रों को नौशाद फाउंडेशन की तरफ से स्कॉलरशिप दी जाएगी साथी ट्रॉफी और सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा जल्दी इसके लिए एक सम्मान समारोह होने वाला है प्रतियोगिता परीक्षा में अनबिया सैयद ओवर ऑल टॉपर बनी है। जबकि कक्षा दसवीं क्लास की मेरिट सूची में पहला नंबर फिरदौस जहां ने पाया है जो कि लाइफ लाइन स्कूल की छात्रा है, दूसरा स्थान सेंट उमर स्कूल की अक्सा फातिमा को मिला है, जबकि तीसरा स्थान अहमद नूर मेमोरियल स्कूल की फिरदौस अंसारी को मिला है, इसी तरह कक्षा आठवीं की प्रतियोगी परीक्षा में अल्फिया खान ने पहला स्थान प्राप्त किया है, वह डिजायर एकेडमी स्कूल महू की छात्र हैं, दूसरे स्थान पर सेंट उमर स्कूल की आफिया फातिमा रही है और तीसरा स्थान न्यू इन्नोवेटिव पब्लिक स्कूल की सूफिया खान ने पाया है, इसी तरह पांचवी क्लास की प्रतियोगी परीक्षा में सी एम ए गुजराती बायज स्कूल के आमीर अहमद खान पहले स्थान पर रहे हैं, जबकि अल हिरा स्कूल के उस्मान शेख को दूसरा स्थान मिला और पाक़ीज़ा स्कूल की सादिया खान तीसरे स्थान पर रही है,नौशाद फाउंडेशन इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षा में शामिल अन्य छात्रों को भी प्रस्तुत करेगा।

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की जिम्मेदारी सरकार की : मुख्यमंत्री

इंदौर में 'पुण्योदय प्रकल्प' के तहत विद्यार्थियों को वितरित की गई निःशुल्क पुस्तिकाएं

इन्दौर। विद्यार्थी केवल पढ़ाई की चिंता करें, उनके उज्ज्वल भविष्य की चिंता सरकार कर रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर के बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में हिंद रक्षक संगठन द्वारा आयोजित पुस्तिका वितरण कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम का आयोजन 'पुण्योदय प्रकल्प' के तहत किया गया,जिसमें हजारों विद्यार्थियों को निःशुल्क कॉपियां वितरित की गईं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार कर रही है। गरीब और वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विदेश तक पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। स्कूली छात्रों को निःशुल्क साइकिल, गणवेश, पाठ्य पुस्तकें और लैपटॉप जैसी सुविधाएं दी

जा रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में अब 37 मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं, जिनमें गरीब मेधावी छात्रों की फीस सरकार वहन कर रही है।

कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक महेंद्र हार्डिया, सुश्री उषा ठाकुर, श्रीमती मालिनी गौड़,गोलू शुक्ला सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। आयोजक एकलव्य लक्ष्मण सिंह गौड़ ने बताया कि वर्ष 2003 से शुरू हुआ यह प्रकल्प अब 300 से अधिक समाजसेवी परिवारों की भागीदारी से हर वर्ष 3.5 लाख से अधिक कॉपियां मात्र 1 के सांकेतिक मूल्य पर वितरित करता है।

इंदौर वन विभाग का पौधारोपण महाअभियान : अब तक 4.13 लाख पौधे रोपे गए

इंदौर। वन विभाग इंदौर द्वारा वर्ष 2025 के लिए चलाए जा रहे पौधारोपण महाअभियान के तहत जिले में कुल 6 लाख 84 हजार 900 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दिशा में अब तक 4 लाख 13 हजार 600 पौधों का रोपण सफलतापूर्वक किया जा चुका है। अभियान में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग शासकीय संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), विभागों और आम नागरिकों को उच्च गुणवत्ता के पौधे शासकीय दरों पर उपलब्ध करवा रहा है।

इंदौर जिले की विभिन्न रोपणियों- रेसीडेंसी, नवरतनबाग, भैरूघाट, किशनपुरा, डेमो रोपणी खंडवा रोड और बडगोंदा में पौधे विक्रय हेतु उपलब्ध हैं। नागरिक इन स्थानों से पौधे प्राप्त कर सकते हैं और रोपण में तकनीकी सहायता भी विभाग से ले सकते हैं।

वनमंडलाधिकारी के अनुसार- इस वर्ष रूटशूट रोपण नहीं किया जा रहा क्योंकि पूर्व वर्ष की तुलना में उसकी जीवितता दर कम पाई गई थी। विभाग द्वारा केवल गुणवत्ता आधारित पौधारोपण पर जोर दिया जा रहा है।

वन महोत्सव और सामाजिक वानिकी के तहत अधिक से अधिक नागरिकों को जोड़कर हरियाली बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। विभाग की अपील है कि इंदौरवासी इस अभियान में भाग लें और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें।

एनएचएआई ने इंदौर-देवास रोड के जाम मामले पर कोर्ट में बेतुका बयान देने वाली वकील को हटाया

नए वकील ने जवाब के लिए समय मांगा, अगली सुनवाई 23 जुलाई को

इंदौर। इंदौर-देवास रोड पर लगे 48 घंटे लंबे जाम पर हाई कोर्ट में दायर याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत ने एनएचएआई से पूछा था कि आखिर पुल का काम कब पूरा होगा। इतनी देरी क्यों लग रही है। जाम की वजह से लोग परेशान हो रहे हैं। इस पर एनएचएआई की ओर से पैरवी कर रही महिला वकील अनिता शर्मा ने कहा था 'लोग निकलते क्यों हैं, इतनी जल्दी सड़क पर, बगैर काम के, जाम तो लगेगा ही।' इस महिला वकील को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने मामले से हटा दिया है।

बायपास पर बार-बार जाम लगने के विरोध में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में पिछली सुनवाई पर विवादित बयान देने वाली महिला वकील की जगह एनएचएआई ने नया वकील नियुक्त किया है। प्राधिकरण की ओर से शुक्रवार को सुनवाई में नवनियुक्त दिल्ली के वकील ने

जवाब देने के लिए समय लिया है। मामले में अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी। इस मामले में पिछली सुनवाई 30 जून को हुई थी। इंदौर-देवास बायपास की बदहाली और 28 जून को लगे 36 घंटे के महाजाम को लेकर हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में तीन अलग-अलग याचिकाएं दायर हुई थीं।

याचिका की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने एनएचएआई से पूछा था कि आखिर पुल का काम कब पूरा होगा, इतनी देरी क्यों लग रही है? जाम की वजह से लोग परेशान हो रहे हैं। इस पर एनएचएआई की ओर से पैरवी कर रही महिला वकील ने कहा था कि लोग निकलते क्यों हैं, इतनी जल्दी सड़क पर, बगैर काम के, जाम तो लगेगा ही।

शनिवार-रविवार को जाम गेट पर भी जाम लगता है। वहां तो कोई सड़क नहीं बन रही। छुट्टी के दिन लोग घूमने निकल जाते हैं। महिला वकील के इस बयान की देशभर में आलोचना हुई थी। इसके बाद एनएचएआई ने वकील के बयान से खुद को अलग कर लिया और कहा था कि इससे उसका कोई सरोकार नहीं है।

एनएचएआई की तरफ से दिल्ली से एडवोकेट एपी सिंह ने कोर्ट को वर्चुअल उपस्थित में बताया कि दो दिन पहले ही एनएचएआई ने उन्हें प्रकरण की फाइल सौंपी है। उन्हें जवाब तैयार करने का समय दिया जाए। इस पर कोर्ट ने समय देते हुए कहा कि अगली सुनवाई पर वह वर्चुअल नहीं, प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित हों।

पुल समय पर पूरा हो जाएगा, सड़क कौन बना रहा, पता नहीं- निर्माण एजेंसी ने अपना जवाब दाखिल कर दिया। ठेकेदार एजेंसी की तरफ से यह भी कहा गया है कि उसे दिसंबर 2025 तक अर्जुन बड़ौद फ्लाईओवर का काम पूरा करना है। कंपनी तय समय पर काम पूरा कर देगी। इसके पहुंच मार्ग भी कंपनी बना देगी, लेकिन बाकी सड़क का काम कौन कर रहा है, उसे इसकी जानकारी नहीं है। इस पर कोर्ट ने एनएचएआई से स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा है। वहीं, सुनवाई में हाई कोर्ट ने इस मामले में दायर तीन अलग-अलग जनहित याचिकाओं को एक कर दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि याचिकाओं में इंदौर-देवास मुद्दा एक है, इसलिए अलग-अलग सुनवाई की आवश्यकता नहीं है।

पासपोर्ट बनवाना हुआ आसान, ऑनलाइन अप्लाई करें और 15 दिन में पाएं दस्तावेज

इन्दौर। यदि आप नौकरी, पढ़ाई, घूमने या किसी जरूरी काम से विदेश जाना चाहते हैं, तो सबसे पहला और जरूरी दस्तावेज है पासपोर्ट। मध्यप्रदेश सहित देशभर में अब पासपोर्ट बनवाना पहले की तुलना में आसान हो गया है, लेकिन इसके लिए सही जानकारी और दस्तावेजों का होना जरूरी है। पासपोर्ट बनवाने के लिए आपको ऑनलाइन आवेदन से लेकर अपाइंटमेंट बुकिंग, दस्तावेज सत्यापन और पुलिस वेरिफिकेशन तक की प्रक्रिया को पूरा करना होता है। अब तय नियमों और जरूरी शर्तों का पूरा कर बगैर एजेंट के भी खुद ही पासपोर्ट बनवा सकते हैं। 15 से 30 दिन में पासपोर्ट जारी हो

जाता है। यदि आपको जल्दी पासपोर्ट चाहिए, तो तत्काल सेवा का विकल्प भी मौजूद है, जिसमे कुछ अतिरिक्त शुल्क देकर पासपोर्ट तीन से सात दिन में आपके पते पर पहुंच जाता है।

पासपोर्ट सेवा केंद्र पर बुक करना होगा अपॉइंटमेंट-पासपोर्ट बनवाने की पूरी प्रक्रिया, जरूरी दस्तावेज, फीस और पुलिस वेरिफिकेशन से लेकर अपाइटमेंट प्रक्रिया की जानकारी होने पर आप घर बैठे भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले ॅ्द्रूग्ह्र्ीु.दन.ग्ह वेबसाइट पर जाकर खुद को रजिस्टर करना होगा। लॉगिन के बाद आप फ्रेस फासपोर्ट या री-इश्यू के लिए ऑनलाइन फार्म भर सकते हैं। इसके बाद आपको अपने नजदीकी पासपोर्ट सेवा केंद्र को चुनकर अपॉइंटमेंट बुक करना होगा। अपाइंटमेंट वाले दिन और समय पर आपको पासपोर्ट कार्यालय पहुंचकर दस्तावेज वेरिफिकेशन और फोटो करवाना होगा। इसके बाद पुलिस वेरिफिकेशन होगा। इस पूरी प्रक्रिया के संपन्न होने के बाद आपके दिए गए पते पर पासपोर्ट डाक से पहुंच जाएगा।

सहेली ग्रुप का ओरछा में सांस्कृतिक भ्रमण

इंदौर। वार्ड 57 का 40 वर्षों से सक्रिय सहेली ग्रुप अपने सामाजिक कार्यों- जैसे सफाई अभियान, वृक्षारोपण और सांस्कृतिक आयोजनों- के लिए पहचाना जाता है। इस ग्रुप की कुछ सदस्यों ने रंजना ठाकुर और कविता गाडगिल के नेतृत्व में ऐतिहासिक नगरी ओरछा का भ्रमण किया।

इस यात्रा में उन्होंने रामराजा मंदिर और जहांगीर महल जैसे प्रमुख स्थलों का दर्शन व अवलोकन किया। ग्रुप की अन्य सदस्य रंजना बापट, सुजाता फड़के, सुनंदा फड़के, सुजाता मोहिते, सरोज बागले, रश्मि राशिनकर, गोखले, चित्रा विटवेकर और मेघा मेहंदले ने इस यात्रा में भाग लिया। इस तरह सहेली ग्रुप ने जहां एक ओर ऐतिहासिक विरासत को नजदीक से देखा,वहीं आपसी जुड़ाव को भी सशक्त किया।

पुलिस भी करने लगी समाज सेवा, बच्चों को बांटे कपड़े और चाकलेट

इंदौर। चौराहों पर वाहन चालकों को नियमों का पालन करने की सीख देने वाली पुलिस समाजसेवा के कामों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेती है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए ट्रेफिक पुलिस ने निरंजनपुर (स्लम बस्ती) में जाकर वहां के 90 से अधिक बच्चों को कपड़े और चाकलेट बांटी। जोन एक की सहायक पुलिस आयुक्त रेखासिंह परिहार ने बताया कि पुलिस कमिश्नर संतोषसिंह, यातायात डीसीपी अरविंद तिवारी के मार्गदर्शन में लगातार समाज हित के कामों को किया जा रहा है। सामग्री का वितरण डेली कालेज स्कूल के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और यातायात पुलिस की टीम के सहयोग से किया गया।

'एक बगिया माँ के नाम' से होगी हरियाली की नई शुरुआत

मुख्यमंत्री ने किया पर्यावरण संकल्पना का भूमिपूजन, केसर बाग में हुआ आयोजन

इन्दौर। जीवन देने वाली हवा अगर बिखर जाए, तो जीवन संकट में पड़ सकता है इसलिए पर्यावरण संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास जरूरी हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के केसर बाग में एक बगिया माँ के नाम कार्यक्रम के भूमिपूजन अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रदेश में पौधारोपण को एक भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप देकर नई दिशा देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की पारंपरिक मान्यताएं जैसे सूर्यास्त के बाद कुछ पौधों को न छूना या कुछ

पेड़ों के नीचे न सोना-इन सबका वैज्ञानिक और स्वास्थ्य से गहरा संबंध है। अब सरकार इन परंपराओं को आधुनिक संदर्भ में जोड़कर पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बना रही है।

एक बगिया माँ के नाम योजना का उद्देश्य हर नागरिक को वृक्षारोपण से जोड़ना और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ की स्मृति में एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस पहल से प्रदेश में हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता भी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और पर्यावरण प्रेमियों की उपस्थिति रही।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर निगम की सख्ती

इंदौर। नगर निगम इंदौर ने सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त शहर अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए वार्ड 64 स्थित अंबे ट्रैवल्स पर छापा मारा। आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर झोन क्रं.-18 में हुई इस कार्रवाई में करीब 450 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त की गई।

जांच में मौके पर 15 बोरियों में अवैध रूप से संग्रहित सिंगल यूज प्लास्टिक पाई गई, जिसे तुरंत जब्त कर नेप्रा प्लांट भेजा गया। साथ ही प्रतिष्ठान पर 50,000 का स्पॉट फाइन लगाया गया।

पुरानी गाड़ियों की विदाई तय, स्क्रैप पॉलिसी के तहत 15 साल से पुराने वाहन होंगे कबाड़

ग्वालियर। एमपी के ग्वालियर शहर में 15 साल से पुराने वाहनों को हटाने के लिए एक स्क्रैप सेंटर खोला गया है। वह भी शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर बिलौआ में। लोगों को 15 साल से अधिक पुराने वाहनों को स्क्रैप कराने से क्या फायदे हैं इसकी जानकारी नहीं है। जिसके कारण लोग इसमें रुचि नहीं दिखा रहे हैं। देश में स्क्रैप पॉलिसी लागू करने के पीछे उद्देश्य प्रदूषण फैला रहे वाहनों को हटाना था। प्रदेश में पहले चरण में सरकारी वाहनों को हटाने की शुरुआत हुई है, इसके लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले के कलेक्टर से 15 साल से अधिक पुराने वाहनों की जानकारी मांगी गई है। ग्वालियर में करीब 125 वाहनों की सूची तैयार हुई जिन वाहनों को स्क्रैप किया जाना है।

न रजिस्ट्रेशन कराया, न रिन्यू कराया-ग्वालियर शहर में करीब 8 लाख दो पहिया और चार पहिया वाहन सड़कों पर चल रहे हैं। इनमें से करीब एक लाख वाहन ऐसे हैं, जो 15 साल से ज्यादा पुराने हैं। इन वाहनों ने न रजिस्ट्रेशन रिन्यू कराया है और न ही फिटनेस। यदि आपके वाहन को 15 साल पूरे हो गए हैं तो उसको पांच साल के लिए और पंजीयन कराया जा सकता है। इसके लिए आपकोबीमा कराना होगा। यदि पंजीयन समाप्त होने के एक महीने में दोबारा पंजीयन नहीं कराते हैं तो पेनल्टी देना होगी। हर महीने दो पहिया वाहन पर 100 रुपए जुर्माना लगेगा। इसलिए ऐसे वाहन चालक जिनके रजिस्ट्रेशन 15 साल से ज्यादा पुराने हो गए हैं वे पेनल्टी शुल्क के कारण भी पंजीयन नहीं करा रहे हैं। बिलौआ में स्क्रैप सेंटर खुला है वहां जाकर लोग 15 साल से ज्यादा पुराने वाहन स्क्रैप करा सकते हैं। स्क्रैप के बाद जो सर्टिफिकेट मिलेगा उससे नए वाहन खरीदने पर लाभ मिलेगा। ग्वालियर पहले चरण में सरकारी वाहन जो 15 साल से ज्यादा पुराने है उनको स्क्रैप कराना है। इसकी सूची बनाकर कलेक्टर को दी जा सकती है।

-विक्रमजीत सिंह कंग, आरटीओ ग्वालियर

कैसे कराएं वाहन स्क्रैप-फिटनेस टेस्ट करवाएं : अगर आपकी कार 15 से 20 साल तक पुरानी हो गई है, तो पहले उसे फिटनेस टेस्ट के लिए आरटीओ या किसी ऑथराइज्ड टेस्टिंग सेंटर लेकर जाएं।

स्क्रैप सर्टिफिकेट लें: अगर आपकी कार फिटनेस टेस्ट में फेल हो जाती है या फिर आप अपनी कार को स्वेच्छा से स्क्रैप कराना चाहते हैं, तो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्क्रैपिंग सेंटर में गाड़ी जमा करें। इसके बाद वहां से आप को एक व्हीकल स्क्रैप सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

आरसी कैंसिलेशन: आपकी पुरानी कार के लिए स्क्रैपिंग सर्टिफिकेट मिलने के बाद उसे अपने आरटीओ के यहां लेकर जाकर जमा करें, ताकि गाड़ी के रजिस्ट्रेशन को रद्द किया जा सके।

टैक्स में मिलेगी छूट-अब आप अपनी पुरानी कार के स्क्रैपिंग सर्टिफिकेट का इस्तेमाल करके नई गाड़ी खरीदते हैं तो डिस्काउंट, टैक्स छूट आदि का लाभ मिल सकेगा।

जर्जर मकानों पर चली निगम की जेसीबी

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया के निर्देशन में साउथ तोड़ा लाइफ लाइन रोड पर 18 जर्जर व खतरनाक मकानों के विरुद्ध जनहित में रिमूवल की कार्यवाही की गई। झोन 11 भवन अधिकारी गीतेश तिवारी एवं भवन निरीक्षक जीशान चिश्ती ने बताया कि जोन 11 अंतर्गत जीवन रेखा मार्ग साउथ तोड़ा पर 18 खतरनाक/ जर्जर भवन को हटाने की कार्यवाही की गई।

कार्रवाई के अंतर्गत मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद अख्तर (150 साउथ तोड़ा), मोहम्मद रफीक (132), मोहम्मद शहीद (147), अब्दुल रहिम (132), महेन्दी हसन (146), शैख नजीर (132), मार्तण्ड राव काले, अशफाक हुसैन, गबरु बी पति मोहम्मद अंसारी (125), अब्दुल राजिक अंसारी (126), अब्दुल अजीम अंसारी (127) अब्दुल अजीज अंसारी (128), अख्तर बी अंसारी (129), अन्जुमन कमेटी (131), डॉ. हन्नू अंसारी (125), मोहम्मद सहजाद (147/2), मोहम्मद आजम, मोहम्मद अकरम पिता अब्दुल हमिद (154 सभी साउथ तोड़ा) एवं अन्य के जर्जर एवं खतरनाक मकान पर रिमूवल कार्रवाई की गई। यह काफी ऊंचाई पर थे जिन्हें 2 पोकलेन और 4 जेसीबी द्वारा तोड़ा गया ।

कार्यवाही के दौरान भवन अधिकारी गीतेश तिवारी, भवन निरीक्षक जिशान चिश्ती, प्रभारी रिमूवल बबलू कल्याणे, जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं निगम का अमला मौजूद था।

युवक ने कैमरे से की आत्मसुरक्षा की तैयारी, चौहान ब्रदर्स पर जान से मारने की धमकी का आरोप

इंदौर। गौरी नगर क्षेत्र के एक युवक ने संपत्ति विवाद में सुरक्षा न मिलने पर खुद की जान की हिफाजत के लिए अनोखी तरकीब अपनाई है। युवक ने अपने हेलमेट में एक छोटा कैमरा फिट किया है, जिससे वह बाहर निकलते समय हर गतिविधि को रिकॉर्ड करता है। युवक का आरोप है कि पड़ोसी सतीश, बलिराम और मुन्ना, जिन्हें चौहान ब्रदर्स कहा जाता है-उसे और उसके परिवार को लगातार धमका रहे हैं और जान से मारने की बात कह रहे हैं।

पुलिस में कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होने से हताश युवक ने आत्मसुरक्षा का यह तरीका अपनाया। उसका मानना है कि यदि उस पर हमला होता है या कोई भी घटना घटती है तो यह कैमरा साक्ष्य के रूप में काम आएगा।

इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोग इस स्थिति को आत्मसुरक्षा की मजबूरी बता रहे हैं। पुलिस ने अब मामले की जांच की बात कही है।

देवी अहिल्या समिति ने किया पौधारोपण

इंदौर। सिरपुर तालाब के समीप रामसर साइट विकसित की जा रही है। रविवार को यहां देवी अहिल्या समिति ने पौधारोपण किया। पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने कहा कि हम यहां वे पेड़ लगा रहे है, जो पक्षियों को आकर्षित कर सके। निसर्ग से प्रेम रहे तो ही जीवन सुखी रहेगा। हमें प्रकृति का ध्यान रखना है, क्योंकि वो हमारा ध्यान रखती है। सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि सिरपुर तालाब में विदेशी परिंदे आते रहे है। यहां पक्षियों को अच्छा वातावरण निर्मित हो, इसके लिए हम लगातार प्रयास कर रहे है। इसे रामसर साइट का दर्जा दिया गया है। इंदौर सफाई में पहले स्थान पर है। रहवासियों की जनभागीदारी से इंदौर हरियाली में भी नंबर वन होगा। तरानेकर गुरुजी ने कहा कि इंसान को मिट्टी से हमेशा जुड़े रहना चाहिए। हम भौतिक विकास तो कर रहे है, लेकिन प्रकृति की सेहत का ध्यान नहीं रख रहे है। इंदौर के आसपास हरियाली का प्रतिशत बढ़ाना जरूरी है। तालाब के आसपास भालू मोंढे, सुधीर दांडेकर, राम मूंदड़ा, सर्वजीत गौड़ ने पौधे लगाए। कार्यक्रम के बाद अमरुद, जामुन, बादाम, नीम,आंवला सहित अन्य फलों के पौधे लगाए गए। समिति ने बताया कि पिछले साल भी पौधे लगाए गए थे। वे शत प्रतिशत जीवित है। यहां पौधों की देखरेख के लिए माली भी तैनात किए गए है। कार्यक्रम का संचालन विनीता धर्म ने किया।

हरित बुनियादी ढांचे का विकास, ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, कार्बन क्रेडिट, स्मार्ट सिटी और नागरिकों की भागीदारी जैसे विषय पर हुई चर्चा

इन्दौर। प्रमुख सचिव पर्यावरण श्री नवनीत मोहन कोठारी ने कहा कि सरकार नीतियों एवं चुनौतियों को सुदृढ़ करते हुये हरित नगरों का विकास कर सतत विकास को बढ़ावा देने का प्रयास जारी है। शहरों का विकास इस तरह से करना चाहिए कि पर्यावरण को कम से कम नुकसान हो और लोगों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर हो सके। श्री कोठारी इंदौर के ब्रिलियेंट कन्वेंशन सेंटर में शुक्रवार को आयोजित मध्यप्रदेश ग्रोथ कान्क्लेव 2025 के अंतर्गत 'भविष्य के लिए सतत हरित शहरीकरण' विषयक सत्र को संबोधित कर रहे थे।

सत्र में कार्यकारी निर्देशक सीएसई सुश्री अनुमिता रॉय चौधरी ने कहा कि समुदाय हरित विकास की योजना बनाने और उसे लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे पर्यावरण को बचाने और टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने में सक्रिय सहभागिता करते है। अधोसंरचना तत्परता के लिये भवन निर्माण एवं वाहन क्षेत्र में उचित वेस्ट मैनेजमेंट किया जाना चाहिए। रीसाइक्लिंग इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पर भी विशेष ध्यान देना चाहिये।

रीएनर्जी डायनेमिक्स प्राइवेट के सीईओ और सह-संस्थापक श्री वरुण कराड ने कहा कि भविष्योन्मुखी शहरों का निर्माण किया जाना चाहिए जो अगले कई सालों तक यथावत रहे। ग्रीन बॉन्ड ,कार्बन क्रेडिट और पीपीपी मॉडल इस ओर एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। वर्बियो इंडिया के प्रबंध निदेशक श्री आशीष कुमार ने बायो फ्यूल में पीपीपी मॉडल, नीति आधारित समावेशी प्रबंधन विषयों पर चर्चा कर निजी क्षेत्र में तकनीकी अनुभव, प्रमाणित तकनीक एवं प्रमाणीकरण के महत्व पर ज़ोर दिया गया है। एसएस गैस लैब एशिया सदस्य आईएफजीई अध्यक्ष नेट जीरो,लघु उद्योग भारती की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री जयंती गोएला ने तीव्र औद्योगिक विकास के दौर में ट्रांज़िशन तकनीकों की आवश्यकता पर जोर देते हुए ऐसी तकनीकों के विकास पर विशेष बल दिया जिनसे कार्बन फुटप्रिंट को नियंत्रित किया जा सके। ईकेआई एनर्जी उपाध्यक्ष और वैश्विक व्यापार विकास के प्रमुख श्री सिद्धांत गुप्ता ने नेट जीरो लक्ष्य, सस्टेनेबल प्लानिंग, कार्बन क्रेडिट मॉनिटरिंग आदि विषयों पर चर्चा की।

CRIME

निर्दयी माँ की करततूत : दो दिन की बच्ची का शव मिला

इंदौर। नेमावर रोड पर गुरुवार रात पुलिस ने नवजात बच्ची का शव बरामद किया। बच्ची की उम्र करीब दो दिन थी। प्राथमिक जांच में बच्ची को जन्म के कुछ ही समय बाद वहां छोडने की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और आसपास के अस्पतालों से भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि नवजात को छोडने वाली महिला की पहचान की जा सके।

इलाज के दौरान घायल बुजुर्ग ने तोड़ा दम

इंदौर। पिछले दिनों सड़क हादसे में घायल हुए बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसा ट्रांसपोर्ट नगर के समीप सात दिन पहल हुआ था। जूनी इंदौर पुलिस के मुताबिक, राजमहल कालोनी में रहने वाले देवीचंद पिता किशनचंद (62) को घायल होने के बाद इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल किया गया था, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई।

6 लाख ठगे, 2 लाख वापस मिले : एक साल बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

इंदौर। पुलिस की तमाम समझाइश के बाद भी लोग ठगों की बातों में आकर अपने पैसे गंवा बैठते हैं। ऐसा ही एक मामला साइबर सेल थाने में आया। ठग ने महिला से टेलीग्राम टास्किंग का झांसे देकर 6 लाख 8 हजार रुपए ले लिए। एक साल पहले आरोपी वारदात कर फरार हो गया। उसके पकड़ के लिए टीम गठित की थी। टीम ने आरोपी को पकड़कर पीडिता के दो लाख रुपए वापस दिलाए। पीडिता संगीता (परिवर्तित नाम) ने बताय कि उसके साथ टेलीग्राम एप के माध्यम से कार रेंट पर बुक करने के नाम पर आरोपी ने धोखाधडी की। शिकायत के बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य जुटाकर आरोपी संदीप पिता ऋषिपाल छाछिया निवासी ग्राम रामराय जिला जिन्द हरियाणा को पकड़ा। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने पीडिता के पैसे एयू स्माल फाइनेंस बैंक में जमा कराए थे। इस बैंक में 4,83,393 रुपए जमा होना पाए गए। आरोपी हरियाणा में लाइफ गार्ड का काम करता है।

शिक्षिका के साथ मारपीट

इंदौर। तलाक के चलते तीन साल से महिला शिक्षिका अपने मायके में रह रही थी। इसी बीच, पति मायके पहुंचा और उसके साथ मारपीट कर सात साल के बेटे को अपने साथ ले गया। मामले में महिला ने अन्नपूर्णा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीडिता श्वेता ने बताया कि उनकी शादी मुंबई में हुई थी। साल 2022 से वे अपने पति से अलग होकर इंदौर स्थित मायके में रह रही हैं। फरवरी 2024 में पति मयूर भी मुंबई से इंदौर आ गया और पहले कुछ समय तक वहीं रहा, लेकिन बाद में अलग रहने लगा। इसी दौरान दोनों के बीच कई बार विवाद हुए। शिकायत के मुताबिक, 16 जून की सुबह जब श्वेता अपने 7 वर्षीय बेटे को स्कूल छोडने जा रही थी, तभी मयूर अचानक एक्टिवा से पहुंचा और सड़क पर झगड़ा शुरू कर दिया।

घातक हथियारों आमजन में दहशत फैलाने वालों की लगाई पुलिस ने क्लास

इंदौर। तलवार, चाकू चलाने वाले हाथ ने कलम पकड़कर कसम खाई की वे अब अपराध से तौबा करेंगे। अपने बच्चों को भी इससे दूर रखेंगे। पहली बार बदमाशों की मनोदशा बदलने का यह प्रयास बाणगंगा और हीरानगर थाना क्षेत्र में हुआ। यहां सहायक पुलिस आयुक्त ने बदमाशों को इकट्ठा किया, पहले तो उन्हें पुलिसिया भाषा में समझाइश दी कि अपराध नहीं छोड़ा तो परेशान होना पड़ेगा। इसके बाद सभी को कागज और पेन थमा दिए। इसमें उनसे सवाल पूछा गया कि क्या वे अपने बच्चों को भी अपराध के दलदल में फंसाना चाहेंगे। प्रति उत्तर में बदमाशों ने अपनी पीड़ा व्यक्त की। कुछ बदमाशों ने कहा कि वे अपराध कर परिवार की आर्थिक स्थिति खराब कर चुके हैं। परिवार में भी उनके कृत्य से माता-पिता, पत्नी बहन, भाई परेशान रहे हैं। बच्चों के जीवन पर भी उनके कृत्यों का दुष्प्रभाव पड़ रहा है। समाज में उन्हें हिकारत की दृष्टि से देखा जाता है। अब वे दोबारा अपराध नहीं करते हुए बेहतर जीवन जीएंगे। साथ ही अपने बच्चों को भी अच्छी

शिक्षा दिलाएंगे। कई बदमाशों के जवाब तो बेहद भावनात्मक और मार्मिक थे, जिन्होंने आपबीती बताते हुए अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के साथ ही समाज की मुख्य धारा में जोड़े रखने की बात कही।

अन्य जानकारियां भी ली- डीसीपी द्वारा प्रत्येक आरोपी से उसकी जीवन साधन, संगत, ठिकानों, हर अपराधी से अपराध में सक्रिय अन्य व्यक्तियों की जानकारियां ली गई। बदमाशों की इस पाठशाला में उन्हें परिवार सहित बुलाया गया उनसे भी चर्चा की गई। सकारात्मक परिवर्तन के लिए परिवारों द्वारा पुलिस को सहयोग कर थाने पर हाजिरी लगाने की व्यवस्था की गई, जिससे पुलिस की नजरों में रहे एवं अपराध जगत से दूर रहे।

पुलिस की इस पूरी कार्रवाई में 57 गुंडों और निगरानीशुदा को शामिल किया गया। सभी का रिकॉर्ड अपडेट किया गया।

पत्नी ने पति को धमकाया-सोनम केस भूल गया क्या, डरा पति पुलिस के पास पहुंचा

इंदौर। यहां एक हैरान करने वाली घटना सामने आई, जिसने पति-पत्नी के रिश्तों की मर्यादा और भरोसे पर ही सवाल खड़ा कर दिया। एक पति ने थाने में पहुंचकर अपनी पत्नी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। पति का कहना है कि उसकी पत्नी का मकान मालिक से नाजायज रिश्ता है। जब उसने इस पर आपत्ति जताई, तो पत्नी ने उसे जान से मारने की धमकी दे दी। यह भी धमकी दी, कि सोनम वाला केस भूल गए क्या!

दीपक साहू नाम के इस व्यक्ति का कहना है कि वह शहर में पत्नी और 8 साल के बेटे के साथ किराए के मकान में रहता है। वह रोज काम पर चला जाता है, जबकि पत्नी घर पर रहती है। इस बीच उसकी पत्नी का मकान मालिक सचिन साहू से प्रेमालाप शुरू हो गया। पहले तो उसे केवल शक हुआ, लेकिन एक दिन जब उसने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देखा, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई।

विवेक ने पत्नी से इस बारे में पूछा और उसे समझाने की कोशिश की, तो उसने उल्टा उसे ही धमकाना शुरू कर दिया। पत्नी ने कहा कि मुस्कान और सोनम रघुवंशी के केस याद हैं न? अगर ज्यादा सवाल किए तो तुम्हारे 36 टुकड़े कर के नीले ड्रम में डाल दूंगी। किसी को कुछ पता भी नहीं चलेगा।

घबराए और डरे हुए पति ने पुलिस को बताया कि अब उसे और उसके बेटे को अपनी जान का खतरा है। पत्नी दोनों को अक्सर धमकाती है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि वे दिनभर घर में बंद रहते हैं। कहीं कोई अनहोनी न हो जाए। वह रात को भी छुप-छुपकर घर से निकलता है। उसने पुलिस से गुहार लगाई कि या तो उसे सुरक्षा दी जाए या फिर उसकी पत्नी से अलग करवाया जाए। विवेक का कहना है कि देश में हाल ही में सामने आए मुस्कान और सोनम जैसे मामलों के बाद वह बुरी तरह डरा हुआ है। उसे डर है कि कहीं उसकी पत्नी भी उसे मौत के घाट न उतार दे।

अलग-अलग स्थानों पर चोरों ने धावा बोला

इंदौर। शहर में जैन मंदिर और फर्नीचर कारोबारी के यहां से चोरों ने लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिया। एक घटना रात 11.30 बजे और दूसरी देररात 3.30 बजे हुई। मंदिर में चोर सब्बल से गेट तोड़कर अंदर घुसे थे। यहां श्री धरणीधर पार्श्वनाथ श्वेताम्बर जैन मंदिर एरोड्रम थाना क्षेत्र के पश्चिमी क्षेत्र स्थित हाईलिंक सिटी मेन में है। जहां प्रवेश करने के दो मेन गेट है। दोनों गेटों पर 24 घंटे गार्ड तैनात रहते हैं। पुलिस के अनुसार, मंदिर में दो बड़ी दानपेटी रखी हुई थी। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में आए फुटेज में तीन चोर दान पेटी ले जाते दिख रहे हैं, जो पल्सर बाइक पर जाते दिखे। यह बाइक पिछले दिनों कालोनी में रहने वाले प्रकाश जैन के घर से चुराई गई थी। जानकारों का कहना है कि मंदिर के पीछे की तरफ दीवार है, कुछ जगह तार फेंसिंग है, जहां से चोर अन्दर घुसे और संभवतः भारी भरकम पेटी भी चोर वहीं से ले गए। मंदिर के अध्यक्ष पुंडरिक पालरेचा ने बताया कि शुक्रवार सुबह चौकीदार ने घटना की जानकारी दी। जानकारी लगते ही मौके पर पहुंच गए थे। चोरी की यह घटना रात 3.30 बजे की होना बताई जा रही है।

शातिर बदमाश अमन उर्फ बड़े पिता अमन बुंदेला 9 माह के लिए इंदौर से जिला बदर

इंदौर। आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त शातिर बदमाश अमन उर्फ बड़े पिता राजेन्द्र सिंह बुंदेला (उम्र 24), निवासी-लालगली, थाना परदेशीपुरा को

पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर द्वारा मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत 9 माह के लिए इंदौर जिले और सीमावर्ती जिलों की सीमा से प्रतिबंधित कर दिया गया है। थाना परदेशीपुरा की पुलिस टीम ने आदेश को लाउडस्पीकर के माध्यम से क्षेत्र में प्रसारित किया और आरोपी व परिजनों को पालन हेतु पाबंद किया।

क्राइम ब्रांच इंदौर की बड़ी कार्रवाई

ब्राउन शुगर तस्करी में दो आरोपी गिरफ्तार, 2 लाख कीमत का 15.35 ग्राम मादक पदार्थ बरामद

इन्दौर। नशा मुक्त इंदौर अभियान के तहत क्राइम ब्रांच पुलिस ने ब्राउन शुगर की तस्करी करने वाले दो युवकों को रंगे हाथों पकडने में सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई पोलोग्राउंड क्षेत्र स्थित पेपर ट्रेड लिंक के पास की गई, जहां दोनों संदिग्धों को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपियों में नीरज गोस्वामी (23), निवासी राज नगर और मनीष बजाज (25), निवासी नगिन नगर शामिल हैं। दोनों आरोपी इंदौर में कार्यरत हैं और प्रारंभिक पूछताछ में उन्होंने सस्ते दामों में ब्राउन शुगर खरीदकर शहर में ऊंचे दामों पर बेचने की बात कबूली है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 15.35 ग्राम ब्राउन शुगर, दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख रुपए बताई जा रही है।

दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम मामले की विस्तृत जांच में जुटी है।

संतुलन स्थापित कर शरीर को रखे स्वस्थ प्राकृतिक चिकित्सा

अब प्रश्न यह उठता है कि यदि आप किसी रोग का शिकार हो गए हैं तो प्राकृतिक चिकित्सा का ही सहारा क्यों लें? इसका सीधा सरल जवाब है कि इस चिकित्सा का शरीर पर कोई प्रतिकूल असर (बाई इफेक्ट) नहीं होता एवं रोग को दबाया न जाकर मूल जड़-मूल से समाप्त किया जाता है। जबकि अन्य पैथियों में रोग को दवा, गोलियों के सहारे तुरंत दबा तो दिया जाता है, परंतु रोग का कारण शरीर में मौजूद ही रहता है जो समय पाकर पुनः उसी रूप में या अन्य किसी रूप में उभर आता है। फिर दवा-गोली लेना पड़ती है और यह सिलसिला जीवन पर्यंत चलता ही रहता है। प्राकृतिक चिकित्सा में रोग होने के कारण में न जाकर सीधे शरीर के स्वस्थ करने की प्रक्रिया अपनाई जाती है और इस प्रक्रिया में फलस्वरूप रोग नाम की चीज शरीर से बाहर हो जाती है। प्राकृतिक चिकित्सा में मिट्टी, पानी, हवा, धूप के सरल प्रयोग से विकट से विकट रोग को शरीर से निकाल दिया जाता है। फिर भी प्रश्न उठता है कि केवल मिट्टी, पानी, हवा और धूप से शरीर के रोग को कैसे भगाया जा सकता है तो इसका भी सीधा सरल जवाब है कि यह शरीर भी इन्हीं पंचतत्व के सहारे गतिशील है।

सारी गड़बड़ तब शुरू होती है, जिस मिट्टी, पानी, धूप, हवा का यह शरीर है, उसे इन्हीं चीजों के असंतुलन अर्थात इसके प्रतिकूल बना दिया जाता है और प्रकृति अपने नियमों की अवहेलना के दंडस्वरूप रोग नाम की चीज शरीर को दे देती है। किन्तु प्रकृति इतनी निष्ठर नहीं भी नहीं है कि वह दिया हुआ वापस न ले, बस यदि आप पुनः उनके नियमों के अनुकूल होने लगेंगे तो वह रोग वापस भी ले लेगी। सुबह देर से उठना, उचित मात्रा में पानी न पीना, धूप से बचना, गलत ढंग से सांस लेना, जब जी में आए तब खाना, कुछ भी खाना ऐसी तमाम चीजें हैं जो प्रकृति के प्रतिकूल जाती हैं और इसका परिणाम हम रोग के रूप में पाते हैं। प्राकृतिक चिकित्सा में उपरोक्त इन्हीं सब तत्वों का संतुलन स्थापित कर शरीर को स्वस्थ कर दिया जाता है और फिर स्वस्थ शरीर में रोग (अस्वस्थता) की गुंजाइश कहां?

क्या है प्राकृतिक चिकित्सा?

चिकित्सा विज्ञान के पितामह और यूनान के महान चिकित्सक हिप्पोक्रेट्स ने कहा है कि प्रकृति रोगी को ठीक करते हैं, चिकित्सक नहीं। प्राकृतिक चिकित्सा रोगी के स्वास्थ्य का निर्माण करती है, जो प्राकृतिक रूप से उपलब्ध मिट्टी, पानी, धूप, वायु के द्वारा बीमारी के मूल कारण को दूर कर देती है। यह केवल स्वस्थ शरीर का निर्माण ही नहीं करती, बल्कि शरीर के अंदर जीवनी शक्ति को प्रबलता प्रदान करते हुए स्वस्थ जीवन जीने का मार्ग भी प्रशस्त करती है। प्राकृतिक चिकित्सा ने सिद्ध किया है कि रोग होना शरीर की अपनी स्वस्थ होने की प्रक्रिया है। यदि सर्दी, जुकाम, बुखार जैसे साधारण या लकवा, मधुमेह, गठिया जैसे गंभीर रोग होते हैं तो यह शरीर द्वारा दिए गए संकेत हैं कि शरीर में कहीं न कहीं गंदगी, विषैले पदार्थ जमा हो गए हैं और शरीर में इन रोगों द्वारा बाहर निकालना चाहता है। प्राकृतिक चिकित्सा यही काम करती है। यह शरीर में जमा इसी विषैले पदार्थ, विजातीय पदार्थ को मिट्टी, पानी, धूप, व्यायाम, योग, आहार, विहार आदि के समुचित प्रयोग से बाहर निकाल देती है। शरीर में स्वयं में यह शक्ति होती है कि वह अपने आपको ठीक कर सके। शरीर में जीवनी शक्ति जैसी चीज होती है, जो रोग होने पर कमजोर पड़ जातेहैं। प्राकृतिक चिकित्सा इस जीवनी शक्ति को प्रबल बना देती है।

- वर्ष 1949 में डॉ. कृष्णन राजू के शिष्य डॉ. वी. वेंकटराव और उनकी पत्नी विजयलक्ष्मी ने गांधी नेचर क्योर कॉलेज और अस्पताल की स्थापना की। यह अस्पताल आज प्राकृतिक चिकित्सा का प्रशिक्षण भी दे रहा है। यहां बैचलर ऑफ नैचुरोपैथी ओर यौगिक साइंस में डिग्री दी जाती है। यह अस्पताल उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से सम्बद्ध है। यहां साढ़े चार साल का कोर्स उपलब्ध है। आरोग्य की डिग्री दी जाती है। यहां विद्यार्थियों को पूरे साल घर पर ही निर्धारित कोर्स को पढ़ना होता है और दो माह के व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए आरोग्य मंदिर, गोरखपुर में रहना पड़ता है।

- महात्मा गांधी भी देश में प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाए जाने के पक्षधर थे। वी. वेंकटराव, डॉ. विजयलक्ष्मी और डॉ. विट्ठलदास मोदी ने किसी न किसी रूप में महात्मा गांधी से ही देश में प्राकृतिक चिकित्सा शुरू करने की प्रेरणा पाई। इसेक अलावा अब देश में दिल्ली, जयपुर, बैंगलोर, पुणे आदि के अलावा कई जगह प्राकृतिक चिकित्सालय खुलते जा रहे हैं।

भोपाल में भी उपलब्ध है प्राकृतिक चिकित्सा

भोपाल में भी संत हिरदाराम प्राकृतिक चिकित्सालय क(50 बिस्तर) का सफलतापूर्वक चल रहा है। यहां भी प्राकृतिक चिकित्सा का कोर्स चलता है। इसेक अलावा डॉ. गांगुली प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग अनुसंधान केंद्र कोटरा में चल रहा है, जहां केवल प्राकृतिक चिकित्सा की जाती है।

घर बैठे मिटाएं जुकाम

जुकाम एक आम रोग है जो मौसम में आए बदलाव के कारण तथा अधिक देर तक ठंडे स्थान पर रहने से होता है। इसमें कुछ लोगों की नाक बंद हो जाती है और कुछ को जुकाम बढ़ने पर बुखार भी आ जाता है। यदि सर्दी-जुकाम का उपचार उसके लक्षण नजर आते ही कर लिया जाए तो शरीर को अन्य दूसरी बीमारियों की परेशानी नहीं झेलनी पड़ती है।

- 1 चम्मच प्याज का रस बराबर मात्रा में शहद मिलाकर दिन में तीन बार लें।
- हल्दी और सौंठ के चूर्ण का लेप बनाकर कपाल पर लगाएं।
- काली मिर्च जलाकर उसका धुआं सूंघने से बंद नाक खुलती है।
- अदरक के टुकड़े का काढ़ा 20 मिली से 30 मिली दिन में तीन बार लेने से सर्दी से आराम मिलता है।
- 10 ग्राम लहसून को 1 कप दूध में 1/2 कप होने तक उबालें। इसे शाम को सोते समय या नाश्ते के पहले लें। भिंडी का 50 मिली काढ़ा दिन में तीन बार लेने से गले की खराश और सूखी खांसी में आराम मिलता है।
- एक गिलास गर्म पानी में चुटकी भर नमक, चुटकी भर खाने का सोडा मिलाकर दिन में दो बार तथा सोते समय गरारे करने से गले की खराश में आराम मिलता है।
- थोड़ा अदरक, अजवाइन (1 चम्मच), लौंग (5), काली मिर्च (3), मैथी (1 चम्मच), तुलसी और पुदीना पत्ती (10 प्रत्येक) इन सबका काढ़ा बनाकर खांडसारी मिलाकर दिन में दो बार आराम होने तक लेना चाहिए।

जब बेचेन करे पीठ दर्द

जिंदगी की दौड़ धूप ने इंसान को इतना थका दिया है कि वह स्ट्रेस चिंता आदि बीमारियों से घिरा रहता है। इस स्थिति में अगर पीठ में दर्द होने लगे तो यह समस्या कब जटिल बीमारी का रूप धारण कर लेती है इसका किसी को पता ही नहीं चलता। तब पीड़ित व्यक्ति डॉक्टरों तथा अस्पतालों के चक्कर लगाता ही रहेगा। अगर समय पर इन बीमारियों का इलाज किया जाए तो पीठ दर्द जैसी समस्या से मुक्त रहेंगे।

इस दर्द से बचने के लिए सरल उपाय

- पीठ दर्द के कई कारण होते हैं। सबसे मुख्य कारण है कि लोग सही तरह से नहीं बैठते, कभी वे झुककर तो कभी बेंड होकर काम करते हैं।

- ज्यादा भारी वस्तु उठाने से पीठ में स्ट्रेन पड़ जाते हैं।

- अधिक समय तक व्यायाम करना या किसी भी ट्रेनर के निर्देश के बिना व्यायाम करने से भी स्ट्रेन पड़ सकते हैं।

- अगर व्यक्ति दिनभर केवल बैठा रहे और कोई काम न करें, तब उसके लिए चलना-फिरना बहुत ही मुश्किल होगा।

- शरीर का वजन अधिक है या मोटापे की समस्या से व्यक्ति जूझ रहा हो तो पीठ में दर्द होने लगेगा।

- उम्र बढ़ने के साथ-साथ शारीरिक बीमारियों में पीठ का दर्द भी शामिल है।

- धूम्रपान तथा शराब के सेवन से व्यक्ति की हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं। इससे अक्सर पीठ में तनाव महसूस होता है।

पीठ दर्द के परिणाम

- अगर हड्डी नाजुक होती है तो इससे व्यक्ति की हड्डियों में आस्टियोपोरोसिस की समस्या उत्पन्न होती है।

- पीठ में दर्द होने से हड्डी टूट जाती है।

- स्लिप डिस्क की समस्या होने से व्यक्ति पीठ दर्द से पीड़ित रहता है।

- जब पीठ दर्द बढ़ जाता है, तब डॉक्टर से सलाह तथा इलाज कराना जरूरी है, तब आपको डॉक्टर की राय लेकर एक्सरे करवाना चाहिए। सबसे अहम बात, जिसे हम नजरअंदाज करते हैं, जब शरीर में दर्द उत्पन्न होता है।

- जब पीठ दर्द बढ़ जाता है, तब डॉक्टर से सलाह तथा इलाज कराना जरूरी है। अगर हफ्तेभर पीठ का दर्द रहता है, तब आपको डॉक्टर की राय लेकर एक्सरे करवाना चाहिए। सबसे अहम बात जिसे हम नजरअंदाज करते हैं, जब शरीर में दर्द उत्पन्न होता है।

- कोई भी दर्द होने से हम उसका इलाज स्वयं न करके डॉक्टर से कराएं तो ज्यादा बेहतर रहेगा। जब पीठ में असहनीय दर्द होने लगता है, तब कोई भी व्यायाम नहीं करना चाहिए। ऊंची एड़ी के जूते नहीं पहनना चाहिए। धूम्रपान न करें। ज्यादा वजन की वस्तु न उठाएं तथा बैठते समय यह ध्यान रहे कि कोई सहारा ले लिया जाए। अगर आप डॉक्टरों के चक्कर नहीं काटना चाहते, तब नियमित व्यायाम करें तथा योग आसन जैसे भुजंगासन तथा पवन मुक्तासन करें। इससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा तथा शरीर संतुलित।

प्रकृति सबसे बड़ा मरहम

सभी रोगों, उनके कारण और उपचार एक हैं। दर्दनाक और पर्यावरणीय स्थिति को छोड़करए सभी रोगों का कारण एक है यानी शरीर में रुग्णता कारक पदार्थ का संचय होना। सभी रोगों का उपचार शरीर से रुग्णता कारक पदार्थ का उन्मूलन है। रोग का प्राथमिक कारण रुग्णता कारक पदार्थ का संचय है। बैक्टीरिया और वायरस शरीर में प्रवेश कर तभी जीवित रहते हैं जब रुग्णता कारक पदार्थ का संचय हो और उनके विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण शरीर में स्थापित हुआ हो। अतः रोग का मूल कारण रुग्णता कारक पदार्थ है और बैक्टीरिया द्वितीयक कारण बनते हैं। गंभीर बीमारियां शरीर द्वारा आत्म चिकित्सा का प्रयास होती हैं। अतः वे हमारी मित्र हैं, शत्रु नहीं। पुराने रोग, गंभीर बीमारियों के गलत उपचार और दमन का परिणाम हैं। प्रकृति सबसे बड़ा मरहम लगाने वाली है। मानव शरीर में स्वयं ही रोगों से खुद को बचाने की शक्ति है तथा अस्वस्थ होने पर स्वास्थ्य पुनः प्राप्त कर लेती है। प्राकृतिक चिकित्सा में केवल रोग ही नहीं बल्कि रोगी के पूरे शरीर पर असर होकर वह नवीकृत होता है। प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा पुरानी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को भी अपेक्षाकृत कम समय में सफलतापूर्वक उपचारित किया जाता है। प्रकृति के उपचार में दबे हुए रोगों को सतह पर लाया जाता है और स्थायी रूप से हटा दिया जाता है। प्राकृतिक चिकित्सा एक ही समय में सभी तरह के पहलुओं जैसे शारीरिकए मानसिकए सामाजिक और आध्यात्मिकए का उपचार करती है। प्राकृतिक चिकित्सा शरीर का सम्पूर्ण रूप से उपचार करती है। प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसारए ष्केवल भोजन ही चिकित्सा हैश्ए कोई बाहरी दवाओं का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। स्वयं के आध्यात्मिक विश्वास के अनुसार प्रार्थना करना उपचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दुबई में शेख अहमद बिन सईद अल मकतूम से भेंट, मध्यप्रदेश बनेगा एविएशन और लॉजिस्टिक हब

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई यात्रा के दौरान एमिरेट्स एयरलाइंस और दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी के चेयरमैन शेख अहमद बिन सईद अल मकतूम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक मध्यप्रदेश और यूएई के बीच उड्डयन संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम पड़ाव साबित हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एयर एंबुलेंस फ्लाइट सेक्टर में अच्छी संभावना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्ग दर्शन में मध्यप्रदेश एविएशन में जो काम कर रहा है उसमें भी दुबई सहयोग देने को तैयार है।

क्षेत्रीय कार्गो हब के प्रस्ताव पर बनी सहमति-बैठक में मुख्य रूप से इंदौर और भोपाल शहरों से दुबई के लिए सीधी विमान सेवाएं शुरू करने पर चर्चा हुई। मध्य भारत में एक क्षेत्रीय कार्गो हब स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। एविएशन ट्रेनिंग और ईंध (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल) इन्फ्रास्ट्रक्चर में संयुक्त निवेश एवं प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना को लेकर भी सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। प्रदेश में इनबाउंड टूरिज्म को बढ़ावा देने और एमिरेट्स एविएशन अकादमी के कैंपस की स्थापना की संभावना पर भी गंभीर चर्चा की हुई। मध्यप्रदेश को भारत का एक प्रमुख एविएशन और लॉजिस्टिक्स हब बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो राज्य के आर्थिक और औद्योगिक विकास में नई उड़ान भरेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मीडिया से संवाद-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक के बाद दुबई में मीडिया से संवाद करते हुए कहा कि आज सुबह से निवेशकों और उद्योगपतियों के साथ अलग-अलग चर्चाओं का दौर शुरू हुआ है। सबसे पहले हमारे महावाणिज्यदूत और एंबेसी के लोगों के साथ विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि एयर एंबुलेंस फ्लाइट सेक्टर में अच्छी संभानाएँ है। मध्यप्रदेश एविएशन में जो काम कर रहा है दुबई उसमें सहयोग करने के लिए तैयार है। हमारी सरकार विदेश में कैसे आसानी से व्यापार करे, सरकार किन-किन क्षेत्रों में व्यापार कर सकती है, उस पर गहन विचार-विमर्श हुआ। मध्यप्रदेश में खदानें भी हैं, उद्योग भी हैं, फूड पार्क भी हैं। निवेशकों से अलग-अलग सेक्टर को लेकर चर्चा की। वन-टू-वन बैठक में भी निवेशकों से अच्छी और सकारात्मक बात की है। बैठकों के दौरान वेलनेस, हेल्थ, एनर्जी, सर्विस सेक्टर में अच्छे सुझाव मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुबई के निवेशकों ने मध्यप्रदेश में गोल्ड एवं डायमंड माइनिंग सहित कई सेक्टर में निवेश करने की रुचि दिखाई।

प्रदेश की जीवनरेखा निर्मल नर्मदा के लिये केन्द्र से ली जाएगी पूरी मदद : नगरीय विकास मंत्री श्री विजयवर्गीय

2459 करोड़ रूपये की तैयार की गई है पहले चरण की योजना

भोपाल : नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि नर्मदा नदी मध्यप्रदेश की जीवनरेखा है और नर्मदा जी को निर्मल बनाये रखने के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना में नर्मदा नदी को निर्मल बनाये रखने की योजना में केन्द्र सरकार से हरसंभव मदद ली जायेगी। मंत्री श्री विजयवर्गीय सोमवार को मंत्रालय में निर्मल नर्मदा योजना की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस योजना पर पहले चरण में 2459 करोड़ रूपये खर्च किये जायेंगे। बैठक में अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के अधिकारी मौजूद थे।

नगरीय विकास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन के पहले कंपनी के अधिकारी अपने स्तर पर भौतिक सर्वे कर लें। उन्होंने कहा कि अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के नदी किनारे शहरों में सीवरेज प्लांट के कार्य समय-सीमा में पूरे किए जाये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण विकास, जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास के अधिकारियों के साथ समन्वय कर योजना के संबंध में वास्तविक जानकारी लेकर प्रोजेक्ट पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में निकलने वाले दूषित पानी को नदी में मिलने से रोकने और पानी के ट्रीटमेंट के उपाय को प्रोजेक्ट में शामिल करें। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा स्थल के आस-पास के क्षेत्रों में भी सर्वे का कार्य किया जाये। उन्होंने वर्तमान में कार्यरत और निर्माणाधीन सीवरेज प्लांट की स्थिति की जानकारी ली।

लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को रक्षा बंधन पर 250 रुपये का उपहार मिलेगा : मोहन यादव

उज्जैन। ध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य में लाडली बहना योजना की लाभार्थी करीब 1.27 करोड़ महिलाओं को राखी उपहार के रूप में 250 रुपये मिलेंगे और अक्टूबर से उनकी मासिक सहायता राशि बढ़ाकर 1,500 रुपये कर दी जाएगी।

फिलहाल इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1250 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं। यादव ने घोषणा की, ''रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के बीच अटूट प्रेम का प्रतीक है...नौ अगस्त को राखी है और भाइयों के लिए अपनी बहनों को उपहार देना उचित ही है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि स्नेह के प्रतीक के रूप में हर लाडली बहना (नौ अगस्त से पहले) तक 250 रुपये पहुंच जाएं।''

वह उज्जैन जिले के नलवा गांव में आयोजित एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को वित्तीय सहायता वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लाडली बहना योजना के तहत मासिक सहायता को धीरे-धीरे बढ़ाकर 3,000 रुपये करने के लिए प्रतिबद्ध है। एक सरकारी बयान के मुताबिक यादव ने कहा , ''दिवाली के बाद भाई दूज (23 अक्टूबर) तक मासिक सहायता 1,250 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये कर दी जाएगी।

ओवरव्यू ऑफ अर्बन पॉलिसीज़ एंड इन्वेस्टमेंट ऑपॉर्च्युनिटीज़ पर हुआ विशेष सत्र

मध्यप्रदेश में शहरी विकास के क्षेत्र में निवेश के बेहतर अवसर

इन्दौर। 'ओवरव्यू ऑफ अर्बन पॉलिसीज़ एंड इन्वेस्टमेंट ऑपॉर्च्युनिटीज़' विषय पर विशेष सत्र में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार की नीतियाँ, कुशल प्रशासन, हरित पर्यावरण और समर्पित मानव संसाधन निवेशकों के लिए राज्य को एक परफेक्ट इन्वेस्टर डेस्टिनेशन बनाते हैं। उन्होंने निवेशकों से मध्यप्रदेश के शहरी विकास में निवेश करने का आग्रह किया। श्री दुबे इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 के तहत 'ओवरव्यू ऑफ अर्बन पॉलिसीज़ एंड इन्वेस्टमेंट ऑपॉर्च्युनिटीज़' सत्र को संबोधित कर रहे थे।

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने निवेशकों को बताया कि प्रदेश में विकास के हर घटक जैसे ट्रांसपोर्टेशन, अधोसंरचना विकास, सर्विस सेक्टर और ऊर्जा क्षेत्र के लिए विशिष्ट नीतियाँ तैयार की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में रियल टाइम इन्वेस्टमेंट की व्यापक संभावनाएँ हैं, और जहाँ ग्रोथ की संभावना हो वहाँ निवेश स्वाभाविक रूप से लाभकारी निर्णय होता है। उन्होंने जानकारी दी कि शासन द्वारा सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन किया गया है, जिससे निवेशकों को शासकीय अनुमतियाँ प्राप्त करने में अधिक सुविधा होगी। विभागों की जवाबदेही निर्धारित की गई है जिससे निवेशकों को सहयोग मिले।

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों के लिये बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर है। राज्य में 20 रेलवे जंक्शन, एक मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क, 6 एयरपोर्ट निवेशकों के लिये बड़ी सुविधा है। उन्होंने एमपी रिडेंनसीफिकेशन पॉलिसी, एमपी टीडीआर रूल्स, टीओटी पॉलिसी 2019 और इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी के आकर्षक बिन्दुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभाग अंतर्गत लगभग 15 हजार 700 करोड़ रुपये के 93 प्रोजेक्ट प्रक्रियाधीन है। इन प्रोजेक्ट्स के लिये पारदर्शिता के साथ ऑनलाइन निविदा की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जायेगी।

प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग श्री राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश की इकॉनामिकल ग्रोथ भारत के बड़े राज्यों में सबसे तेज़ी से बढ़ रही है। इंदौर देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे शहरों में से एक है। उन्होंने बताया कि शहरीकरण और औद्योगीकरण को कैसे जोड़ा जाए इस पर राज्य सरकार द्वारा विशेष रणनीति तैयार की गई है, जिससे अधोसंरचना और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में ठोस परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने लैंड बैंक, इंडस्ट्रियल पार्क और एमएसएमई/स्टार्टअप पॉलिसी के बारे में निवेशकों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमपी की इन नीतियों को देशभर में सराहना मिल रही है। निवेशकों के लिए निवेश करने का यही समय है और सही समय है।

जीडीपी बढाने सांसद ने उद्योग जगत से मांगे सुझाव

इन्दौर। आगामी 2030 तक इंदौर की जीडीपी को दोगुना करने के लक्ष्य को लेकर अभियान की शुरूआत हुई है। इसके तहत सांसद शंकर लालवानी ने प्रमुख उद्योगपतियों और व्यापारिक संगठनों को शामिल किया। इस अवसर पर एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज, म.प्र. के सहयोग से उद्योग भवन, पोलोग्राउंड में आयोजित किया गया। इसमें शहर की आर्थिक दिशा को लेकर सांसद ने ब्लूप्रिंट साझा किया, जिसे उन्होंने एसईटी मॉडल नाम दिया है। यह मॉडल तीन आधारों सामाजिक सशक्तिकरण, आर्थिक विकास और परिवहन और कनेक्टिविटी से जुड़ा है।

गलवान घाटी संघर्ष के पांच साल बाद जयशंकर ने रखा चीन की धरती पर कदम!

चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की

विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर पाँच वर्षों में अपनी पहली चीन यात्रा पर हैं। उन्होंने सोमवार को चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की और विश्वास व्यक्त किया कि दोनों पड़ोसी देश अपने द्विपक्षीय संबंधों में हाल ही में हुए सुधार के सकारात्मक रुख को बनाए रखेंगे। जयशंकर ने ॅ पर पोस्ट किया, 'आज बीजिंग पहुँचने के तुरंत बाद उपराष्ट्रपति हान झेंग से मिलकर प्रसन्नता हुई। चीन की एससीओ अध्यक्षता के लिए भारत का समर्थन व्यक्त किया। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में सुधार पर ध्यान दिया। और विश्वास व्यक्त किया कि मेरी यात्रा के दौरान हुई चर्चाएँ इस सकारात्मक रुख को बनाए रखेंगी।'

जयशंकर ने चीन की एससीओ अध्यक्षता के लिए समर्थन व्यक्त किया-हान झेंग के साथ अपनी बैठक के दौरान, जयशंकर ने चीन की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) अध्यक्षता के लिए भारत का समर्थन व्यक्त किया। हान के साथ बैठक में अपने प्रारंभिक भाषण में, जयशंकर ने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी यात्रा के दौरान हुई चर्चाएँ सकारात्मक दिशा में बनी रहेंगी और उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच कज़ान में हुई बैठक के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हो रहा है।

भारत-चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर, जयशंकर ने एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर पर प्रकाश डाला: कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली, जो कोविड-19 महामारी और उसके बाद सीमा पर तनाव के कारण पाँच वर्षों से स्थगित थी।

उन्होंने कहा, 'कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली की भारत में भी व्यापक रूप से सराहना की जा रही है। हमारे संबंधों के निरंतर सामान्यीकरण से पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।'

वर्तमान वैश्विक संदर्भ पर टिप्पणी करते हुए, जयशंकर ने कहा, 'आज हम जिस अंतर्राष्ट्रीय स्थिति में मिल रहे हैं, वह बहुत जटिल है। पड़ोसी देशों और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, भारत और चीन के बीच विचारों और दृष्टिकोणों का खुला आदान-प्रदान बहुत महत्वपूर्ण है।'

बैठक के बाद, जयशंकर ने X पर एक पोस्ट में कहा, 'आज बीजिंग पहुँचने के तुरंत बाद उपराष्ट्रपति हान झेंग से मिलकर प्रसन्नता हुई। चीन की एससीओ अध्यक्षता के लिए भारत के समर्थन से अवगत कराया। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में सुधार पर ध्यान दिया। और विश्वास व्यक्त किया कि मेरी यात्रा के दौरान हुई चर्चाएँ इस सकारात्मक दिशा को बनाए रखेंगी।'

जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा है, जिसने द्विपक्षीय संबंधों को गंभीर रूप से तनावपूर्ण बना दिया था।

हालाँकि तब से उन्होंने अपने चीनी समकक्ष के साथ बहुपक्षीय मंचों पर बातचीत की है, यह यात्रा चल रही सीमा संबंधी चिंताओं के बीच उच्च-स्तरीय राजनयिक जुड़ाव में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्र भानु गुप्ता को किया याद

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्र भानु गुप्ता को रविवार को याद करते हुए उनकी उदारता का जिक्र किया और बताया कि गुप्ता ने एक बार अपने खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों के लिये भोज का आयोजन किया था।

सिंह ने लखनऊ के 'नेशनल पीजी कॉलेज' में एक समारोह में यह किस्सा सुनाया। उन्होंने कार्यक्रम में चंद्र भानु गुप्ता की एक प्रतिमा का अनावरण करने के साथ-साथ एक डाक टिकट भी जारी किया।

उन्होंने कहा, ''मैं आप सभी के साथ चंद्र भानु गुप्ता जी से जुड़ी एक और घटना साझा करना चाहता हूं। जब वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तब लगभग 10 हजार लोग उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी भी उनमें शामिल थे। इन सभी लोगों के पास भोजन का कोई इंतजाम नहीं था। चंद्र भानु गुप्ता जी जानते थे कि वे सभी भूखे हैं इसलिए उन्होंने सभी प्रदर्शनकारियों के लिए तुरंत भोजन का इंतजाम किया। उन्होंने उनके लिये पूड़ी और साग बनवाया था।

सिंह ने कहा, इसका मतलब है कि एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का भी सम्मान होना चाहिए। इस घटना से हमें यह भी संदेश मिलता है कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए।

लखनऊ से लोकसभा सदस्य सिंह ने कहा कि चंद्र भानु गुप्ता ने राजनीति को कभी व्यवसाय नहीं बनाया बल्कि इसे सेवा का माध्यम बनाया और यही वजह थी कि वह उत्तर प्रदेश के लोगों के बीच हमेशा बेहद लोकप्रिय रहे।

रक्षा मंत्री ने उस समय को भी याद किया जब उत्तर प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रहे चंद्र भानु गुप्ता ने किसानों की दुर्दशा को दर्शाती फिल्म हमारा संसार को मनोरंजन कर से मुक्त करवाया था। सिंह ने कहा, फिल्म हमारा संसार देखने के बाद उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी से बात की और फिल्म को कर मुक्त कराया।

महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास जम्मू-कश्मीर में शांति व समृद्धि की कुंजी : एलजी

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद और नशे की लत जैसी चुनौतियों पर काबू पाने तथा एक शांतिपूर्ण व समृद्ध केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए महिलाओं के नेतृत्व में विकास महत्वपूर्ण है।

सिन्हा दक्षिण कश्मीर के शोपियां के बालापुर में स्थित आर्मी गुडविल स्कूल में महिलाओं के व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने स्कूल और पुलवामा, कुलगाम, बडगाम, अनंतनाग और पंपोर में पांच अन्य उद्यमिता और आजीविका संवर्धन केंद्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण और संवर्धन कौशल पाठ्यक्रम पूरा करने वाली महिला प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जम्मू-कश्मीर में महिला सशक्तीकरण एक जन आंदोलन में तब्दील हो गया है। उन्होंने कहा, 'महिलाओं का सामाजिक व आर्थिक उत्थान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास आतंकवाद, नशाखोरी और अन्य सामाजिक बुराइयों पर विजय पाने और एक शांतिपूर्ण व समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाने में हमारी मदद करेगा।

रेलवे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सभी डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाएगा-रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में एक लेवल क्रॉसिंग पर एक यात्री ट्रेन के स्कूल वैन से टकराने की दुखद घटना के एक दिन बाद, जिसमें तीन बच्चों की मौत हो गई, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 9 जुलाई को रेलवे सुरक्षा मामलों की समीक्षा की और सभी लेवल क्रॉसिंग पर सीसीटीवी सिस्टम के प्रावधान के लिए निर्देश जारी किए।

इसके अलावा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यात्री सुरक्षा बढ़ाने के मकसद से रेलवे के सभी 74 हजार डिब्बों और 15 हजार इंजन में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया है। रेल मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान के अनुसार, वैष्णव और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने उत्तर रेलवे में परीक्षण के आधार पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के लाभों की समीक्षा की, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया।

यात्रियों की गोपनीयता बनाए रखने के लिए दरवाजों के पास सामान्य आवागमन क्षेत्र में कैमरे लगाए जाएंगे। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ''केंद्रीय रेल मंत्री ने सभी 74 हजार डिब्बों और 15 हजार इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने को मंजूरी दे दी है। प्रत्येक रेलवे कोच में चार सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक प्रवेश मार्ग पर दो कैमरे होंगे।''

बयान में कहा गया, 'प्रत्येक इंजन में छह सीसीटीवी कैमरे होंगे। इसमें इंजन के आगे, पीछे और दोनों तरफ एक-एक कैमरा शामिल होगा।

समीक्षा में शामिल एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया, 'निर्देश दिया गया है कि सभी लेवल क्रॉसिंग (एलसी) गेटों पर सीसीटीवी सिस्टम और आवश्यक रिकॉर्डिंग सिस्टम उपलब्ध कराए जाएँ। सीसीटीवी के लिए बिजली की आपूर्ति भी लेवल क्रॉसिंग गेट पर उपलब्ध कराई जानी चाहिए। बिजली की आपूर्ति वाणिज्यिक आपूर्ति के अलावा सौर पैनल, बैटरी बैकअप, यूपीएस आदि पर आधारित हो सकती है। इस कार्य को मिशन मोड में पूरा किया जाना है।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक समीर खान के द्वारा राजा ऑफसेट प्रिंटर्स, 863/9, नेहरू नगर, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 105, लाला भाई मंजिल, 39-40 न्यू अली कॉलोनी खजराना, इंदौर से प्रकाशित। संपादक-समीर खान* (9424018786), सह-संपादकः अदनान अली (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)
Email : sameer18786@gmail.com (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)